(Uttar Pradesh) and Shri Baburam Nishad (Uttar Pradesh).

Concern over increasing numbers of Digital Banking Frauds in Financial Year 2023-24

श्रीमती प्रियंका चतुर्वेदी (महाराष्ट्र) : सर, आरबीआई की एक एनुअल रिपोर्ट आई है। 2023 में ...(**व्यवधान**)...

एक माननीय सदस्य : सर, इनका माइक ऑफ हो गया है। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : इनका माइक ऑन है।

श्रीमती प्रियंका चतुर्वेदी : सर, माइक बंद हो गया था। There has been increase in financial frauds, as per RBI Report. 300 प्रतिशत से ज्यादा बैंक फ्रॉड्स हो चुके हैं। इनमें 2 सालों में बढ़ोतरी हुई है। उनमें अगर डिजिटल फ्रॉड्स की संख्या देखें, तो 2 सालों में डिजिटल फ्रॉड्स में 708 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसमें डिजिटल पेमेंट्स और डिजिटल बैंक लोन्स को लेकर सबसे ज्यादा गंभीरता दिखाई गई है। इसमें एक साल में करीब 166 परसेंट की इंक्रीज हुई है। इसकी वजह से पब्लिक सेक्टर बैंक्स जो प्रभावित होते हैं, वे करीब 75 प्रतिशत हैं और प्राईवेट सेक्टर बैंक्स 67 परसेंट हैं।

सर, मैं इस मुद्दे को इसलिए गंभीरता से उठाना चाह रही हूँ, क्योंकि ये उस आम जनता को प्रभावित कर रहे हैं, जिसको टेक्नोलॉजी तो मिल गई है, परन्तु उसको यह समझ नहीं है कि उसका इस्तेमाल कैसे किया जाता है। उसको जो फाइनेंशियल लिट्रेसी होनी चाहिए, उसके ऊपर जोर नहीं डाला जा रहा है। डिजिटल ट्रंजेक्शंस 600 प्रतिशत बढ़ चुके हैं, परन्तु उनमें जो डिजिटल फ्रॉड्स हो रहे हैं, जो फाइनेंशियल फ्रॉड्स हो रहे हैं, वे 81 परसेंट हैं। इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। फिशिंग कॉल्स होते हैं, फिशिंग वेबसाइट्स बनाई जाती हैं, impersonating calls होते हैं, जिनकी वजह से लोग प्रभावित होते हैं।

सर, यहाँ तक ही नहीं, मैं आईटी मिनिस्टर के संज्ञान में यह बात काफी बार ला चुकी हूँ। मोबाइल फोन्स पर स्टेट स्पोंसर्ड हैकिंग होती है। जर्नलिस्ट्स हों, पॉलिटिशियंस हों - पेगासस का मुद्दा तो हमने उठाया ही है।..

श्री उपसभापति : सब्जेक्ट पर बोलिए।

श्रीमती प्रियंका चतुर्वेदी : सर, यह इसी का है। यह डिजिटल फ्रॉड्स को लेकर ही है। जो स्टेट स्पोंसर्ड अटैक्स हो रहे हैं, ऐसे फिर से दूसरे अटैक की सूचना आईफोन ने लोगों को दी है। उनमें से बहुत से सीनियर लीडर्स भी हैं। मैंने खुद इसके बारे में चिट्ठी लिखी है। ए.ए. रहीम जी जो कह

रहे हैं कि रेल मंत्री जी जवाब नहीं देते हैं, तो मैंने भी एक चिट्ठी लिखी है, परन्तु उसका जवाब आज तक नहीं आया है।

श्री उपसभापति : सब्जेक्ट डिजिटल फ्रॉड्स है, माननीया प्रियंका जी।

श्रीमती प्रियंका चतुर्वेदी : सर, इसलिए मैं आपके माध्यम से उम्मीद करती हूँ कि आप मंत्री जी को यह डायरेक्शन देंगे कि वे इस पर संज्ञान लें और हम जो चिट्ठी लिखते हैं, हम जो कंसर्न्स उठाते हैं, उनका जल्द से जल्द जवाब दें। थैंक यू सो मच, सर।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Zero Hour matter raised by the hon. Member, Shrimati Priyanka Charurvedi: Shri Ramji (Uttar Pradesh), Shrimati Phulo Devi Netam (Chhattisgarh), Shri Imran Pratapgarhi (Maharashtra), Shri Ajit Kumar Bhuyan (Assam), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Shri Sandosh Kumar P (Kerala), Shri Sanjeev Arora (Punjab), Shri Jose K. Mani (Kerala), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu), Shri A.A. Rahim (Kerala), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Shri Sujeet Kumar (Odisha), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shrimati Mahua Maji (Jharkhand), Dr. John Brittsas (Kerala), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shri Jawhar Sircar (West Bengal), Shri Saket Gokhale (West Bengal), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri P. Wilson (Tamil Nadu), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), and Shrimati Sulata Deo (Odisha). माननीय श्री शक्तिसिंह गोहिल जी।

Concern over death of three labourers while working in illegal coal mine (Carbo Cell) in Surendra Nagar district of Gujarat

श्री शक्तिसिंह गोहिल (गुजरात): उपसभापति महोदय, मैं एक गम्भीर विषय के बारे में शून्य काल में बात करना चाहता हूँ। गुजरात के सुरेन्द्र नगर डिस्ट्रिक्ट में लो ग्रेड कोल कार्बोसेल मिलता है, कोयला मिलता है। वहाँ पर illegally खदान बनाई जाती है, गड्ढा खोदा जाता है। खोदते-खोदते जब यह लगता है कि वहाँ कोल की लेयर मिली है, तब मजदूर उसमें समानांतर, horizontal खुदाई करते हैं। कभी वहाँ गैस निकलती है, तो कभी वहाँ जमीन बैठ जाती है, जिसके कारण वहाँ मजदूर मरते रहते हैं। 10 दिन पहले 3 मजदूर वहाँ अपनी जान गँवा चुके हैं।

सर, ये जो गड्ढे हैं, उसी एरिया में 1,000 से ज्यादा गड्ढों में काम चल रहा है। ज्यादातर लोग इसकी कंप्लेंट लिखवाने से भी डरते हैं, क्योंकि जब कोई परिवार इसकी कंप्लेंट लिखवाने जाता है कि मेरे परिवार के किसी सदस्य की डेथ हो गई है, तो पुलिस कहती है कि वह illegal काम कर रहा था, तो FIR में पहला नाम उसका लिखा जाएगा, इसलिए वे FIR तक दर्ज करवाने नहीं जाते हैं। उसमें मरने वाले ज्यादातर लोग जवान होते हैं। वहाँ पर गड्ढा करवा कर जो काम करवाते हैं, वे बहुत बड़े influential persons होते हैं। मैं खुद उधर विजिट करने गया था, तब मुझे